समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

जनगणना मे बंड़ा बदलाव : नागरिक खुद भर सकेगें विवरण, सरकार ने लॉन्च किया डिजिटल पोर्टल।

Publisher Published on 07 Jul 2025

2027 की जनगणना मे पंहली बार डिजिटल प्लेटफॉर्म से होगी गणना, मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल से लोग खुद दर्ज कर सकेगें अपनी जानकारी।

नई दिल्ली : भारत में जनगणना की प्रक्रिया में ऐतिहासिक बदलाव होने जा रहा है। **आगामी जनगणना 2027** पहली **डिजिटल जनगणना** होगी, जिसमें नागरिक **वेब पोर्टल** और **मोबाइल ऐप** के माध्यम से खुद ही अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। यह सु**विधा मकान सूचीकरण** और **जनसंख्या गणना दोनों चरणों** में उपलब्ध रहेगी।

रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया के अनुसार, इस **डिजिटल प्रक्रिया** से जनगणना के आंकड़े तेजी से और अधिक सटीकता से एकत्र किए जा सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए **विशेष डेटा सुरक्षा** उपाय लागू किए जाएंगे, जिससे जानकारी का गलत इस्तेमाल नहीं हो सकेगा।

कैसे होगी डिजिटल जनगणना ?

१. **नागरिक वेब पोर्टल या मोबाइल ऐप के जरिए स्वयं विवरण भर सकेगें।**
२. **गणनाकर्ता एंड्रॉयड और एप्पल दोनों प्लेटफॉर्म पर ऐप के माध्यम से डेटा एकत्र करेगें।**
३. **डेटा सीधे केद्रीय सर्वर पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजा जाएगा।**
४. **इस पूरी प्रक्रिया से जनगणना के परिणाम जल्द उपलब्ध होंगे, जो अब तक कई महीनों तक आने मे लंगते थे।**

महत्वपूर्ण तिथियां

१. **मकान सूचीकरण (HLO):** 1 अप्रैल 2026 से शुरू
२. **जनसंख्या गणना :** 1 फरवरी 2027 से

संदर्भ तिथि :
१. **सामान्य क्षेत्रों के लिए :** 1 मार्च 2027 की मध्य रात्रि
२. **दुर्गम क्षेत्रों (लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड) के लिए :** 1 अक्टूबर 2026 की मध्य रात्रि

डेटा सुरक्षा और प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान
१. **जनगणना मे शामिल 34 लाख से ज्यादा पर्यवेक्षकों और गणनाकर्ताओं को चरणबद्ध ट्रेनिंग दी जाएगी**।
२. **डेटा संग्रहण, प्रेषण और भंडारण के दौरान उच्चतम स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी**।
३. **गणना ब्लॉकों का गठन इस तरह किया जाएगा कि कोई भी चूक या डुप्लीकेशन न हो**।

राज्य सरकारों को दिए गए दिशा-निर्देश
महापंजीयक **मृत्युंजय कुमार नारायण** ने **राज्यों** और **केंद्र शासित प्रदेशों** से कहा है कि वे **31 दिसंबर 2025** तक प्रशासनिक सीमाओं में किसी भी प्रकार के परिवर्तन पूरे कर लें। क्योंकि इसके बाद की गई कोई भी सीमा रचना इस जनगणना में शामिल नहीं होगी।

डिजिटल जनगणना क्यों है खास ?
यह भारत में **16वीं** और आज़ादी के बाद **8वीं जनगणना** होगी। पहली बार डिजिटल प्रक्रिया अपनाने से:
१. **डेटा मे पारदर्शिता और सटीकता बढ़ेगी**।
२. **नागरिकों की भागीदारी सीधे तौर पर सुनिश्चित होगी**।
३. **जनगणना रिपोर्ट तेजी से प्रकाशित हो सकेगी**।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.